



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01022024-251700
CG-DL-E-01022024-251700

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20]
No. 20]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 1, 2024/माघ 12, 1945
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 1, 2024/MAGHA 12, 1945

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बजट अनुभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 2024

फा. सं. 2(3)-बी(डी)/2024.—निम्नलिखित को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है :—

अंतरिम बजट 2024-25

निर्मला सीतारामन

वित्त मंत्री का भाषण

1 फरवरी, 2024

माननीय अध्यक्ष महोदय,

मैं वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट प्रस्तुत करती हूँ।

प्रस्तावना

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले दस वर्षों में अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन दिखाई पड़ा है। भारत के लोग आशा और विश्वास के साथ भविष्य की ओर देख रहे हैं।

2. जनता के आशीर्वाद से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और प्रगतिशील नेतृत्व में वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार सत्ता में आई, तब देश बहुत बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा था। सरकार ने 'सबका साथ, सबका

विकास' के अपने मंत्र से इन चुनौतियों पर विजय पायी। संरचनात्मक परिवर्तन आरंभ किए गए। लोगों की भलाई के लिए कार्यक्रम तैयार किए गए और उन्हें तत्परता से कार्यान्वित किया गया। रोजगार और उद्यमिता के अधिक अवसर सृजित किए गए। अर्थव्यवस्था में नई मजबूती आई। लोगों को बड़े पैमाने पर विकास के लाभ मिलने लगे। देश में आशा की एक नई चेतना जगी। स्वभाविक रूप से लोगों ने बड़े जनादेश के साथ सरकार को आशीर्वाद दिया।

3. अपने दूसरे कार्यकाल में माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने सभी लोगों और सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास करके देश को एक संपन्न राष्ट्र बनाने के अपने दायित्वों को पुरजोर तरीके से पूरा किया। हमारी सरकार ने अपने मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' पर काम करके इसे और सशक्त बनाया। हमारे विकास के दर्शन में समावेशिता के सभी तत्व शामिल हैं, जैसे कि

- समाज के सभी वर्गों को शामिल करके सामाजिक समावेशिता, और
- देश के सभी क्षेत्रों के विकास के माध्यम से भौगोलिक समावेशिता।

4. 'सबका प्रयास' के 'समग्र राष्ट्रीय' दृष्टिकोण के साथ देश ने सदी की सबसे बड़ी महामारी की चुनौती का सामना किया। 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया। 'पांच प्रण' के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई और 'अमृत काल' की ठोस नींव रखी। इसी के परिणामस्वरूप हमारे युवा देश में उच्चाकांक्षाएं हैं, अपने वर्तमान पर गर्व है और उज्ज्वल भविष्य के लिए आशा एवं आत्मविश्वास है। हम आशा करते हैं कि असाधारण उपलब्धियों के लिए हमारी सरकार को फिर से भारी जनादेश के माध्यम से लोगों का आशीर्वाद मिलेगा।

समावेशी विकास और संवृद्धि

5. हमने सोच-विचार कर विकास के प्रति मानवोचित और समावेशी दृष्टिकोण अपनाया जो गांव स्तर तक प्रावधान करने के पूर्ववर्ती दृष्टिकोण से काफी अलग है। पिछले दस वर्षों में इन विकास कार्यक्रमों ने रिकार्ड समय में सभी के लिए आवास, 'हर घर जल', सभी के लिए बिजली, सभी के लिए रसोई गैस, सभी के लिए बैंक खाते और वित्तीय सेवाओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार और व्यक्ति के लिए सेवाएं सुलभ कराई हैं।

6. 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराकर खाद्यान्न की चिंता समाप्त कर दी गई है। 'अन्नदाता' की उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को समय-समय पर उपयुक्त रूप से बढ़ाया जाता रहा है। इन प्रयासों से तथा मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किए गए प्रावधानों से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक आय में वृद्धि हुई है। उनकी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति होने से संवृद्धि को बल मिला है और रोजगार का सृजन हुआ है।

सामाजिक न्याय

7. हमारी सरकार सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास के दृष्टिकोण से कार्य कर रही है। इसमें सभी जातियों और सभी स्तरों के लोग शामिल हैं। हम 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें लोगों की क्षमता में वृद्धि करनी होगी और उन्हें सशक्त बनाना होगा।

8. पहले, सामाजिक न्याय मुख्यतया एक राजनैतिक नारा था। हमारी सरकार के लिए सामाजिक न्याय एक प्रभावी और आवश्यक शासन पद्धति है। सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने का सैचुरेशन दृष्टिकोण ही सच्चे और स्पष्ट अर्थों में सामाजिक न्याय की प्राप्ति है। कार्य रूप में यही धर्मनिरपेक्षता है जिससे भ्रष्टाचार कम होता है और भाई-भतीजावाद पर लगाम लगती है। इसमें यह पारदर्शिता और आश्वासन है कि लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंच रहे हैं। संसाधनों का वितरण निष्पक्ष रूप से किया जा रहा है। किसी भी व्यक्ति की सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, उसकी अवसरों तक पहुंच हो रही है। हम उन प्रणालीगत असमानताओं का निराकरण कर रहे हैं जिसने हमारे समाज को जकड़ रखा था। हम परिव्यय पर ध्यान केन्द्रित न करके परिणामों पर जोर देते हैं, ताकि सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल किए जा सकें।

9. जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री का दृढ़ विश्वास है हमें चार प्रमुख जातियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। ये जातियां हैं 'गरीब', 'महिलाएं', 'युवा' और 'अन्नदाता'। उनकी आवश्यकताएं, उनकी आकांक्षाएं और उनका कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश की प्रगति होती है जब वे प्रगति करते हैं। इन चारों जातियों को अपने जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास में सरकारी सहायता की आवश्यकता है और उन्हें सरकारी सहायता मिल भी रही है। उनके सशक्तीकरण से और उनके कल्याण से देश आगे बढ़ेगा।

गरीब-कल्याण, देश का कल्याण

10. हम निर्धन लोगों के सशक्तीकरण में विश्वास रखते हैं। हकदारियां देकर गरीबी से निपटने के पहले के तरीके से मामूली नतीजे मिले थे। जब गरीब विकास प्रक्रिया में सशक्त भागीदार बन जाते हैं, तो उन्हें सहायता देने की सरकार की सामर्थ्य भी कई गुणा बढ़ जाती है। 'सबका साथ' मंत्र से, सरकार ने इन दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से छुटकारा दिलाया है। इस तरीके से समर्थ बनाए गए लोगों की ऊर्जा और उत्साह की सहक्रियाशीलता से अब हमारी सरकार के प्रयासों को भी बल मिल रहा है। इससे वास्तव में वे गरीबी से ऊपर उठ रहे हैं।

11. सरकार द्वारा पीएम-जनधन खातों के माध्यम से 34 लाख करोड़ रु. का 'प्रत्यक्ष लाभ अंतरण' करने से सरकार को 2.7 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। यह पूर्व में व्याप्त धन रिसाव को रोककर हासिल किया गया है। इस बचत से 'गरीब कल्याण' के लिए और अधिक निधियां प्रदान करने में मदद मिली है।

12. पीएम-स्वनिधि से 78 लाख स्ट्रीट वेंडरों को ऋण सहायता प्रदान की गई है। इनमें से 2.3 लाख स्ट्रीट वेंडरों ने तीसरी बार ऋण प्राप्त किया है।

13. पीएम-जनमन योजना विशेष तौर पर उन कमजोर जनजातीय वर्गों तक पहुंची है, जो अब तक विकास के दायरे से बाहर रहे हैं। पीएम-विश्वकर्मा योजना से 18 करोड़ों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को हर तरह की सहायता मिलती है। दिव्यांगजनों और ट्रांसजेंडरों के सशक्तीकरण की योजनाओं में हमारी सरकार का यह दृढ़ संकल्प झलकता है कि कोई पीछे न रह जाए।

अन्नदाता का कल्याण

14. किसान हमारे 'अन्नदाता' हैं। पीएम-किसान सम्मान योजना के अंतर्गत हर वर्ष सीमांत और छोटे किसानों सहित 11.8 करोड़ किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा प्रदान किया गया है। अनेक दूसरे कार्यक्रमों के अलावा इन उपायों से 'अन्नदाता' को देश और पूरी दुनिया के लिए अन्न पैदा करने में सहायता दी जा रही है।

15. इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट ने 1361 मंडियों को एकीकृत कर दिया है और इसमें 3 लाख करोड़ रुपये मूल्य का कारोबार हो रहा है और 1.8 करोड़ किसानों को सेवाएं मिल रही हैं।

16. कृषि-क्षेत्र समावेशी, संतुलित, उच्चतर संवृद्धि और उत्पादकता की ओर अग्रसर है। इन्हें कृषक-केंद्रित नीतियां लाकर, किसानों को उनके आय अर्जन में सहायता देकर, कीमत और बीमा के माध्यम से जोखिम कवरेज देकर, स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचारों को बढ़ावा देकर सुगम किया गया है।

अमृतपीढ़ी, युवाओं का सशक्तीकरण

17. हमारी समृद्धि युवाओं को पर्याप्त रूप से साधन संपन्न करने और सशक्त बनाने पर निर्भर करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से परिवर्तनकारी सुधार लाए जा रहे हैं। उदीयमान भारत के लिए पीएम स्कूल (पीएम श्री) में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई हो रही है, और बच्चों का समग्र और चहुंमुखी विकास किया जा रहा है।

18. स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत 1.4 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, 54 लाख युवाओं का कौशल-उन्नयन किया गया है तथा उन्हें दूसरे हुनर में कुशल बनाया गया है और 3000 नई आईटीआई स्थापित की गई हैं। उच्चतर शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में नए संस्थानों के अंतर्गत 7 आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 7 आईआईएम, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं।

19. पीएम मुद्रा योजना के अंतर्गत, हमारे युवाओं की उद्यमिता से जुड़ी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 22.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य के कुल 43 करोड़ ऋण मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, निधियों की निधि, स्टार्ट-अप इंडिया और स्टार्ट-अप क्रेडिट गारंटी जैसी योजनाओं से भी हमारे युवा वर्ग को सहायता प्रदान की जा रही है। वे भी 'रोजगारदाता' बन रहे हैं।

20. हमारा देश खेलों में हमारे युवाओं द्वारा हासिल उपलब्धियों से गौरवान्वित हो रहा है। वर्ष 2023 में हमारे खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों में अब तक की सबसे अधिक संख्या में पदक जीते हैं जो बड़े हुए आत्मविश्वास को दर्शाता है। शतरंज विभूति और हमारे नंबर वन रैंक के खिलाड़ी, प्रज्ञानंदा ने 2023 में वर्तमान शतरंज वर्ल्ड चैम्पियन, मैगनस कार्लसन को कड़ी टक्कर दी। आज भारत में 80 से अधिक शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं जबकि वर्ष 2010 में 20 से थोड़े अधिक ग्रैंडमास्टर हुआ करते थे।

नारी शक्ति को प्रोत्साहन

21. उद्यमिता, सुगम्य जीवन, और महिलाओं के लिए सम्मान के माध्यम से उनके सशक्तिकरण को इन दस वर्षों में गति मिली है।

22. महिला उद्यमियों को तीस करोड़ मुद्रा योजना ऋण दिए गए हैं। दस वर्षों में उच्चतर शिक्षा में महिलाओं का नामांकन अट्ठाइस प्रतिशत बढ़ गया है। स्टेम पाठ्यक्रमों में तैतालीस प्रतिशत नामांकन बालिकाओं और महिलाओं का है जो दुनिया में सबसे अधिक है। ये सभी उपाय कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के रूप में प्रतिबिंबित हो रहे हैं।

23. 'ट्रिपल तलाक' को गैर-कानूनी बनाने, लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने, और पीएम आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को एकल या संयुक्त मालिकों के रूप में सत्तर प्रतिशत से अधिक घर देने के फलस्वरूप उनका सम्मान बढ़ा है।

शासन, विकास और कार्य-निष्पादन (जीडीपी) का अनुकरणीय ट्रैक रिकॉर्ड

24. सकल घरेलू उत्पाद अर्थात् जीडीपी की दृष्टि से उच्च विकास करने के अतिरिक्त सरकार और अधिक व्यापक जीडीपी यानि 'गवर्नेंस, डेवलपमेंट और परफॉर्मेंस' पर भी समान रूप से ध्यान केंद्रित किए हुए है।

25. हमारी सरकार ने 'नागरिक-प्रथम' और 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के दृष्टिकोण के साथ पारदर्शी, जवाबदेह, लोक-केंद्रित और तत्पर विश्वास-आधारित प्रशासन दिया है।

26. चहुंमुखी विकास का प्रभाव सभी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। यहां वृहद आर्थिक सुस्थिरता है जो बाह्य क्षेत्र में भी विद्यमान है। निवेश की स्थिति शानदार है। अर्थव्यवस्था अच्छा कर रही है।

27. लोग बेहतर जीवन जी रहे हैं और बेहतर कमा रहे हैं और भविष्य के लिए और भी अधिक आकांक्षा रखे हुए हैं। लोगों की औसत वास्तविक आमदनी पचास प्रतिशत बढ़ गई है। मुद्रास्फीति सामान्य बनी हुई है। लोग अपनी आकांक्षाओं को साकार करने के लिए सशक्त, साधनों से युक्त और समर्थ हो रहे हैं। कार्यक्रम और बड़ी परियोजनाएं प्रभावी रूप से और यथासमय पूरी हो रही हैं।

आर्थिक प्रबंधन

28. पिछले दस वर्षों में इस बहुदेशीय आर्थिक प्रबंधन से लोक-केंद्रित समावेशी विकास को बढ़ावा मिला है। इसकी कुछ महत्वपूर्ण बातें इस प्रकार हैं:-

- (1) भौतिक, डिजिटल या सोशल सभी प्रकार के इन्फ्रास्ट्रक्चर रिकार्ड समय में बनाए जा रहे हैं।
- (2) देश के सभी भाग आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बन रहे हैं।
- (3) डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, जो 21वीं सदी में उत्पादन का एक नया कारक है, अर्थव्यवस्था को औपचारिक रूप देने में सहायक है।
- (4) वस्तु एवं सेवा कर से 'वन नेशन, वन मार्केट, वन टैक्स' संभव हो पाया है। कर सुधारों के परिणामस्वरूप कर आधार गहन और विस्तृत हुआ है।
- (5) वित्तीय क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने से बचत, ऋण और निवेशों को अधिक प्रभावशाली बनाने में मदद मिली है।
- (6) जीआईएफटी, आईएफएससी और एकीकृत विनियामक प्राधिकरण, आईएफएससीए वैश्विक पूंजी के लिए सशक्त गेटवे तथा अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय सेवाएं तैयार कर रहे हैं।
- (7) सक्रिय मुद्रास्फीति प्रबंधन से मुद्रास्फीति को पॉलिसी बैंड के अनुरूप बनाए रखने में मदद मिली है।

वैश्विक संदर्भ

29. भू-राजनैतिक दृष्टि से, वैश्विक मामले युद्धों और विवादों के कारण और अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। वैश्वीकरण, उद्योग अपने यहां लगाने (Reshoring), मित्र देशों के यहां लगाने (Friend-shoring), आपूर्ति श्रृंखलाओं के अस्त-व्यस्त होने और बिखरने और महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकियों के लिए प्रतिस्पर्धा होने से पुनर्नियत हो रहा है। कोविड महामारी के बाद एक नई विश्व व्यवस्था उभर कर सामने आ रही है।

30. भारत ने दुनिया के लिए अत्यन्त मुश्किल समय के दौरान जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की। वैश्विक अर्थव्यवस्था उच्च मुद्रास्फीति, उच्च व्याज दरें, निम्न विकास, अत्यधिक लोक ऋण, निम्न व्यापारिक विकास, और जलवायु संबंधी चुनौतियों

से जूझ रही थी। महामारी ने दुनिया के लिए खाने-पीने, उर्वरक, ईंधन और वित्तीय साधनों का संकट उत्पन्न कर दिया था, जबकि भारत अपनी राह बनाने में सफल रहा। देश ने आगे बढ़ने का रास्ता सुझाया और उन वैश्विक समस्याओं के समाधानों के लिए सहमति बनाई।

31. हाल ही में घोषित भारत-मध्यपूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर भारत और अन्य देशों के लिए भी एक रणनीतिक और आर्थिक परिवर्तनकारी पहल है। माननीय प्रधानमंत्री के शब्दों में, “इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर आने वाले सैकड़ों वर्षों तक विश्व व्यापार का आधार बनने जा रहा है और इतिहास इस बात को हमेशा याद रखेगा कि इस कॉरिडोर का सूत्रपात भारत की धरती पर हुआ था।”

विकसित भारत की परिकल्पना

32. ‘विकसित भारत’ की हमारी परिकल्पना उस “समृद्ध भारत की है जो आधुनिक अवसंरचना के साथ, प्रकृति के साथ तालमेल रखते हुए सभी नागरिकों और सभी क्षेत्रों को अपना सामर्थ्य हासिल करने के अवसर दे रहा है।”

33. कार्य-निष्पादन और प्रगति के सशक्त और अनुकरणीय ट्रैक-रिकार्ड से उत्पन्न विश्वास से अर्जित ‘सबका विश्वास’ के साथ अगले पांच वर्ष अभूतपूर्व विकास के और @2047 विकसित भारत के सपनों को साकार करने के स्वर्णिम क्षण होंगे। ‘सबका प्रयास’ की शक्ति के साथ जनसांख्यिकी, लोकतंत्र और विविधता की त्रयी में प्रत्येक भारतीय की आकांक्षाओं को पूरा करने की संभावना विद्यमान है।

34. जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा है, “मैं मेरे देश के नौजवानों को कहना चाहता हूँ कि अवसरों की कमी नहीं है, आप जितने अवसर चाहेंगे, यह देश आसमान से भी ज्यादा अवसर आपको देने का सामर्थ्य रखता है।”

‘अमृत काल’ के लिए रणनीति

35. सरकार ऐसी आर्थिक नीतियां अपनाएगी जो विकास की रफ्तार को बढ़ाएंगी और इसे बनाए रखेंगी, समावेशी और सम्प्रेषणीय विकास के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी, उत्पादकता में सुधार लाएंगी, सभी के लिए अवसर उत्पन्न करेंगी, और उन्हें अपनी क्षमताएं बढ़ाने में मदद करेंगी, और निवेश बढ़ाने तथा अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संसाधनों को उत्पन्न करने में योगदान करेंगी।

36. ‘रिफॉर्म (Reform), परफॉर्म (Perform) और ट्रांसफॉर्म (Transform)’ के सिद्धांत के अनुसरण में सरकार अब अगली पीढ़ी के सुधार हाथ में लेगी, और कारगर क्रियान्वयन के लिए राज्यों और हितधारकों के साथ सहमति बनाएगी।

37. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए समय पर और पर्याप्त वित्तीय साधनों, सुसंगत प्रौद्योगिकियों और उपयुक्त प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी सरकार की एक महत्वपूर्ण नीतिगत प्राथमिकता है ताकि उनका विकास हो सके और वे वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा कर सकें। विनियामकीय परिवेश को उनके विकास के अनुरूप बनाना इस नीति का एक महत्वपूर्ण घटक होगा।

38. हमारी सरकार ‘पंचामृत’ लक्ष्यों के अनुरूप सतत रूप से उच्च और अधिक संसाधन-कुशल आर्थिक विकास बनाए रखने के लिए काम करेगी। इससे उपलब्धता, सुगमता और वहनीयता के संदर्भ में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम होगा।

39. हमारी सरकार निवेश जरूरतों को पूरा करने के लिए आकार, क्षमता, कौशल और विनियामकीय संरचना की दृष्टि से वित्तीय क्षेत्र को तैयार करेगी।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम

40. सरकार, प्रचुर आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने सहित आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों के त्वरित विकास में राज्यों को सहायता देने के लिए तत्पर है।

पूर्वी क्षेत्र का विकास

41. हमारी सरकार इस बात पर पूरा ध्यान देगी कि पूर्वी क्षेत्र और वहां रहने वाले लोग भारत के विकास के सशक्त संवाहक बनें।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

42. कोविड के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का कार्यान्वयन जारी रहा और हम तीन करोड़ मकानों का लक्ष्य प्राप्त करने के नजदीक हैं। परिवारों की संख्या में वृद्धि होने से उत्पन्न हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए अगले पांच वर्षों में दो करोड़ अतिरिक्त मकानों का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

छत पर सौर प्रणाली लगाना (रूफटॉप सोलराइजेशन) और मुफ्त बिजली

43. छत पर सौर प्रणाली लगाने से एक करोड़ परिवार प्रत्येक महीने 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे। यह योजना अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन माननीय प्रधान मंत्री के संकल्प के अनुसरण में लायी गई है। इससे अपेक्षित लाभ इस प्रकार हैं:

- क. निःशुल्क सौर बिजली और अधिशेष बिजली वितरण कंपनियों को बेचने से परिवारों को हर वर्ष पंद्रह हजार से अठारह हजार रुपये की बचत;
- ख. इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग;
- ग. आपूर्ति और इन्स्टालेशन के लिए बड़ी संख्या में वेंडरों को उद्यमशीलता का अवसर;
- घ. विनिर्माण, इन्स्टालेशन और रखरखाव में तकनीकी कौशल रखने वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर;

मध्यम वर्ग के लिए आवास

44. हमारी सरकार “किराए के मकानों या झुग्गी-झोपड़ी या चाल और अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले” मध्यम वर्ग के पात्र लोगों को अपने स्वयं के मकान खरीदने या बनाने में सहायता करने के लिए योजना शुरू करेगी।

चिकित्सा महाविद्यालय

45. योग्य डॉक्टर बनना कई युवाओं की महत्वाकांक्षा होती है। उनका उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं के माध्यम से हमारे लोगों की सेवा करना है। हमारी सरकार की यह योजना है कि विभिन्न विभागों के तहत मौजूदा अस्पताल अवसंरचना का उपयोग करके और अधिक चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) स्थापित किए जाएं। इस उद्देश्य से मामलों की जांच करने और संगत सिफारिशें करने के लिए समिति गठित की जाएगी।

सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण

46. हमारी सरकार सर्वाइकल कैंसर के निवारण के लिए 9 से 14 वर्ष की आयु की बालिकाओं के टीकाकरण को प्रोत्साहित करेगी।

माताओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य देखरेख

47. मातृ एवं शिशु देखरेख की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में तालमेल के लिए इन्हें एक व्यापक कार्यक्रम के अंतर्गत लाया जाएगा। बेहतर पोषण उपलब्ध कराकर, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और विकास के लिए “सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0” के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों के उन्नयन में तेजी लाई जाएगी।

48. टीकाकरण के प्रबंधन के लिए तैयार किया गया नया यू-विन प्लेटफॉर्म और मिशन इंद्रधनुष के गहन प्रयास को पूरे देश में तेजी से आरंभ किया जाएगा।

आयुष्मान भारत

49. आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य देखरेख सुरक्षा में सभी आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को भी शामिल किया जाएगा।

कृषि और खाद्य प्रसंस्करण

50. कृषि क्षेत्र में मूल्य-वर्धन और किसानों की आमदनी बढ़ाने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रधान मंत्री किसान संपदा योजना से 38 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं और रोजगार के 10 लाख अवसरों का सृजन हुआ है। प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम के औपचारिकीकरण योजना से 2.4 लाख स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) और साठ हजार व्यक्तियों को ऋण सुविधा प्राप्त करने में सहायता मिली है। फसल कटाई के बाद होने वाली हानि को कम करने और उत्पादकता एवं आमदनी बढ़ाने के प्रयासों में अन्य योजनाओं से मदद मिल रही है।

51. इस क्षेत्र का तीव्र विकास सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार उपज एकत्रीकरण, आधुनिक भंडारण, दक्षतापूर्ण आपूर्ति शृंखलाओं, प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण तथा विपणन एवं ब्रांड तैयार करने सहित फसल कटाई के उपरांत चलाए जाने वाले कार्यकलापों में निजी और सार्वजनिक निवेश को और बढ़ावा देगी।

नैनो डीएपी

52. नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाए जाने के बाद सभी कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी का प्रयोग किया जाएगा।

आत्मनिर्भर तिलहन अभियान

53. वर्ष 2022 में घोषित पहल से आगे बढ़ते हुए सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे तिलहनों के संबंध में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने के लिए कार्यनीति तैयार की जाएगी। इसमें अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों को व्यापक पैमाने पर अपनाने, बाजार संपर्कों, खरीद, मूल्य-वर्धन और फसल बीमा को शामिल किया जाएगा।

डेयरी विकास

54. डेयरी किसानों की सहायता के लिए व्यापक कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। खुरपका रोग को नियंत्रित करने के प्रयास पहले से चल रहे हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है लेकिन देश में दुधारू पशुओं की दुग्ध उत्पादकता कम है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन और डेयरी प्रसंस्करण एवं पशुपालन के लिए अवसंरचना विकास निधि जैसी मौजूदा योजनाओं की सफलताओं पर आधारित होगा।

मत्स्य संपदा

55. यह हमारी सरकार ही थी जिसने मछुआरों की सहायता करने के महत्व को समझते हुए अलग मत्स्यपालन विभाग की स्थापना की। इसके परिणामस्वरूप इनलैंड और जलकृषि उत्पादन दोगुना हो गया है। वर्ष 2013-14 से सीफूड का निर्यात भी दोगुना हो गया है। प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के कार्यान्वयन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसके उद्देश्य इस प्रकार होंगे:

- (1) जलकृषि उत्पादकता को प्रति हैक्टेयर मौजूदा 3 टन से बढ़ाकर 5 टन करना,
- (2) निर्यात को दोगुना बढ़ाकर ₹ 1 लाख करोड़ तक पहुंचाना और
- (3) निकट भविष्य में रोजगार के 55 लाख अवसरों का सृजन करना।

पांच एकीकृत एक्वापार्कों की स्थापना की जाएगी।

लखपति दीदी

56. नौ करोड़ महिलाओं के तिरासी लाख स्व-सहायता समूह सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता से ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में बदलाव ला रहे हैं। इनकी सफलता से अब तक लगभग एक करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उन्हें सम्मानित करके उनकी उपलब्धियों को मान्यता प्रदान की जाएगी। इस सफलता से उत्साहित होकर लखपति दीदी का लक्ष्य 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करने का निर्णय लिया गया है।

प्रौद्योगिकी में बदलाव

57. नए युग की प्रौद्योगिकियां और डाटा लोगों के जीवन और व्यापार में बदलाव ला रहे हैं। इन प्रौद्योगिकियों से नए आर्थिक अवसर भी संभव हो रहे हैं और 'सामाजिक संरचना के आखिरी पायदान' पर मौजूद लोगों सहित सभी लोगों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के लिए अवसरों का विस्तार हो रहा है। भारत अपने लोगों की नई पहलों और उद्यमशीलता के माध्यम से समाधान दर्शा रहा है।

आर्थिक उन्नति, रोजगार और विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान और नई पहल

58. प्रधानमंत्री शास्त्री जी ने "जय जवान जय किसान" का नारा दिया था। प्रधानमंत्री वाजपेयी जी ने उसे "जय जवान जय किसान जय विज्ञान" बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस नारे का और विस्तार करते हुए इसे "जय जवान जय किसान जय विज्ञान और जय अनुसंधान" बना दिया है क्योंकि नई पहल ही विकास का आधार है।

59. प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले हमारे युवाओं के लिए यह एक स्वर्णिम काल होगा। पचास वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये का कार्पस स्थापित किया जाएगा। इस कार्पस से दीर्घकालिक वित्तपोषण या पुनर्वित्तपोषण कम या शून्य ब्याज दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्पस से निजी क्षेत्र अधिकांशतः नए उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और नई पहल को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित होगा। हमें ऐसे कार्यक्रम बनाने होंगे जो युवा शक्ति और प्रौद्योगिकी को जोड़ें।

60. रक्षा प्रयोजनों के लिए गहन प्रौद्योगिकियों को मजबूत बनाने और 'आत्मनिर्भरता' में तेजी लाने के लिए नई योजना शुरू की जाएगी।

अवसंरचना विकास

61. पिछले 4 वर्षों में पूंजीगत व्यय के परिव्यय में तीन गुणा बढ़ोत्तरी किए जाने के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में हुई कई गुणा वृद्धि को आगे बढ़ाते हुए अगले वर्ष के लिए परिव्यय को 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर ग्यारह लाख, ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह करोड़ रुपये (₹ 11,11,111 करोड़) किया जा रहा है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत होगा।

रेल

62. तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे जो इस प्रकार हैं:

- (1) ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा,
- (2) पत्तन संपर्कता गलियारा, और
- (3) अधिक यातायात वाले गलियारा

बहुविध मॉडलों वाली संपर्कता (कनेक्टिविटी) को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत इन परियोजनाओं की पहचान की गई है। इनसे रसद व्यवस्था संबंधी कार्यकुशलता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी।

63. इसके परिणामस्वरूप, अधिक यातायात वाले गलियारों में भीड़ कम होने से यात्री ट्रेनों के परिचालन में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी और यात्री सुरक्षा एवं यात्रा की रफ्तार बढ़ेगी। समर्पित मालभाड़ा गलियारों के साथ-साथ इन तीन आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों से हमारी जीडीपी की विकास दर बढ़ेगी तथा रसद व्यवस्था संबंधी लागत में भी कमी आएगी।

64. यात्रियों की सुविधा, आराम और सुरक्षा बढ़ाने के लिए चालीस हजार सामान्य रेल डिब्बों को "वंदे भारत" मानकों के अनुरूप बदला जाएगा।

विमानन क्षेत्र

65. पिछले दस वर्षों में विमानन क्षेत्र का कायापलट कर दिया गया है। हवाई अड्डों की संख्या दुगुनी बढ़कर 149 हो गयी है। उड़ान योजना के अंतर्गत टियर-टु और टियर-थ्री शहरों को बड़े पैमाने पर हवाई मार्गों से जोड़ा गया है। पांच सौ सत्रह नये हवाई मार्ग 1.3 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। देश की विमानन कंपनियां 1000 से अधिक नये वायुयानों के लिए ऑर्डर देकर पुरजोर तरीके से आगे बढ़ रही हैं। मौजूदा हवाई अड्डों का विस्तार और नये हवाई अड्डों के व्यापक विकास का कार्य आगे भी तेजी से चलता रहेगा।

मेट्रो और नमो भारत

66. हमारे मध्यम वर्ग का दायरा अत्यन्त तेजी से बढ़ रहा है और तीव्र शहरीकरण हो रहा है। मेट्रो रेल और नमो भारत आवश्यक शहरी रूपांतरण के लिए उत्प्रेरक बन सकते हैं। ट्रांजिट आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए बड़े शहरों में इन प्रणालियों के विस्तार को सहायता प्रदान की जाएगी।

हरित ऊर्जा

67. वर्ष 2070 तक 'नेट-जीरो' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में किए जाने वाले उपाय इस प्रकार हैं:-

- क. एक गीगा-वाट की शुरुआती क्षमता के लिए अपतटीय पवन ऊर्जा की संभावना को संभव बनाने के लिए व्यवहार्यता अंतरनिधियन की व्यवस्था की जाएगी।

- ख. वर्ष 2030 तक 100 मीट्रिक टन की कोयला गैसीकरण और तरलीकरण क्षमता स्थापित की जाएगी। इससे प्राकृतिक गैस, मथेनाल, और अमोनिया के आयात को भी कम करने में मदद मिलेगी।
- ग. परिवहन के लिए कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और घरेलू प्रयोजनों के लिए पाइपड नेचुरल गैस (पीएनजी) में कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के चरणबद्ध अधिदेशात्मक मिश्रण को अनिवार्य किया जाएगा।
- घ. बायोमास के संग्रहण में सहायता के लिए बायोमास संग्रहण मशीनरी की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

विद्युत वाहन इकोसिस्टम

68. हमारी सरकार ई-वाहनों के विनिर्माण और चार्जिंग अवसंरचना को सहायता प्रदान कर ई-वाहन इकोसिस्टम का विस्तार और सुदृढीकरण करेगी। सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क के लिए अधिक से अधिक संख्या में ई-बस के इस्तेमाल को, पेमेंट सिक्युरिटी मेकेनिज्म के माध्यम से बढ़ावा दिया जाएगा।

जैव-विनिर्माण और बायो-फाउंड्री

69. हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए, जैव-विनिर्माण और बायो-फाउंड्री की एक नई योजना शुरू की जाएगी। यह योजना जैव अपघट्य बहुलक, जैव-प्लास्टिक, जैव-भेषज और जैव-कृषि-इनपुट जैसे पर्यावरण हितैषी विकल्प उपलब्ध कराएगी। यह योजना आज के उपभोगकारी विनिर्माण प्रतिमान को पुनःसर्जनात्मक सिद्धांतों पर आधारित विनिर्माण प्रतिमान में रूपांतरित करने में भी मदद करेगी।

ब्लू इकोनोमी 2.0

70. ब्लू इकोनोमी 2.0 के लिए जलवायु के अनुकूल कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत और बहुविषयक दृष्टिकोण के साथ, पुनःस्थापन एवं अनुकूलन उपायों, और तटीय एक्वाकल्चर और मारिकल्चर की एक योजना शुरू की जाएगी।

पर्यटन केन्द्रों का व्यापक विकास

71. साठ स्थानों में जी-20 बैठकों के सफल आयोजन ने दुनियाभर के लोगों के समक्ष भारत की विविधता प्रस्तुत की है। हमारी आर्थिक ताकत ने हमारे देश को बिजनेस और कान्फ्रेंस टूरिज्म के लिए एक आकर्षक गंतव्य स्थान बना दिया है। हमारा मध्यम वर्ग भी अब पर्यटन करने और नए-नए स्थानों के बारे में जानने की इच्छा रखता है। पर्यटन में, जिसमें अध्यात्म पर्यटन भी शामिल है, स्थानीय उद्यमिता के लिए अपार अवसर हैं।

72. राज्यों को प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों का सम्पूर्ण विकास शुरू करने, उनकी वैश्विक पैमाने पर ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। पर्यटन केन्द्रों को वहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता के आधार पर रेटिंग देने हेतु एक फ्रेमवर्क बनाया जाएगा। ऐसे कार्यकलापों का वित्तपोषण करने के लिए राज्यों को मैचिंग आधार पर ब्याज मुक्त दीर्घावधि ऋण दिया जाएगा।

73. घरेलू पर्यटन के प्रति लोगों के बढ़ते उत्साह पर खरा उतरने के लिए लक्षद्वीप सहित हमारे द्वीपसमूहों में पत्तन संपर्क, पर्यटन अवसंरचना, और सुख-सुविधाओं हेतु परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इससे रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।

निवेश का संवर्धन

74. 2014-23 के दौरान एफडीआई अंतर्प्रवाह 596 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा था, जो इसे एफडीआई का स्वर्णिम युग बनाता है जो कि 2005-14 के दौरान हुए एफडीआई अंतर्प्रवाह से दोगुना है। संधारणीय विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हम अपने विदेशी साझेदारों के साथ 'प्रथम विकसित भारत' की भावना से द्विपक्षीय निवेश संधियों पर वार्ता कर रहे हैं।

'विकसित भारत' के लिए राज्यों में सुधार

75. 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए राज्यों में संवृद्धि और विकास के अनेक समर्थकारी सुधार किए जाने की जरूरत है। इस वर्ष पचास वर्ष के ब्याज-मुक्त ऋण के रूप में पचहत्तर हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करने का प्रस्ताव किया गया है ताकि राज्य सरकारों के उन सोपानित सुधारों को मदद पहुंचाई जा सके।

समाज से जुड़े बदलाव

76. सरकार तीव्र जनसंख्या वृद्धि और जनांकिकी परिवर्तनों से उत्पन्न चुनौतियों पर व्यापक रूप से विचार करने हेतु एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) का गठन करेगी। इस समिति को 'विकसित भारत' के लक्ष्य के सापेक्ष इन चुनौतियों का संपूर्ण रूप से निराकरण करने के लिए सिफारिशें करने का अधिदेश दिया जाएगा।

कर्तव्य काल के रूप में अमृत काल

77. हमारी सरकार उच्च संवृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और इसका विस्तार करने और लोगों की आकांक्षाएं पूरी करने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां तैयार करने हेतु प्रतिबद्ध है। माननीय प्रधान मंत्री ने हमारे गणतंत्र के 75वें वर्ष में, राष्ट्र के नाम अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा था, "हम नई आकांक्षाओं, नई चेतनाओं और नए दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र के विकास के प्रति स्वयं को समर्पित करें क्योंकि हमारा देश अनन्त संभावनाएं और अवसर प्रदान कर रहा है"। यह हमारा 'कर्तव्य काल' है।

78. हमारे आर्थिक प्रबंधन और शासन के बल पर हम वर्ष 2014 से पहले के दौर की प्रत्येक चुनौती से उबर गए हैं। इन प्रयासों ने हमारे देश को सतत उच्च संवृद्धि के संकल्प पथ पर आगे बढ़ा दिया है। यह सब हमारी सही नीतियों, सच्चे इरादों और उपयुक्त निर्णयों के कारण ही संभव हो सका है। जुलाई में, पूर्ण बजट में हमारी सरकार 'विकसित भारत' के लक्ष्य का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत करेगी।

संशोधित अनुमान 2023-24

79. उधार को छोड़कर कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान ₹ 27.56 लाख करोड़ है, जिसमें से कर प्राप्ति ₹ 23.24 लाख करोड़ है। कुल व्यय का संशोधित अनुमान ₹ 44.90 लाख करोड़ है।

80. ₹ 30.03 लाख करोड़ की राजस्व प्राप्ति बजट अनुमान से अधिक रहने की आशा है, जो अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास दर और इसके औपचारीकरण को दर्शाता है।

81. राजकोषीय घाटे का संशोधित अनुमान जीडीपी का 5.8 प्रतिशत है, जो अंकित विकास अनुमानों में कमी के बावजूद बजट अनुमान की तुलना में बेहतर है।

बजट अनुमान 2024-25

82. वर्ष 2024-25 में, उधार से इतर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः ₹ 30.80 लाख करोड़ और ₹ 47.66 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। कर प्राप्तियों के ₹ 26.02 लाख करोड़ रहने का अनुमान है।

83. राज्यों के पूंजीगत व्यय के लिए पचास वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण योजना कुल ₹ 1.3 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ इस वर्ष भी जारी रखी जाएगी।

84. जैसा कि मेरे 2021-22 के बजट भाषण में घोषणा की गयी थी, हम वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए राजकोषीय सुदृढीकरण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस मार्ग पर चलते हुए वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

85. 2024-25 के दौरान दिनांकित प्रतिभूतियों में सकल और निवल बाजार उधारियां क्रमशः ₹ 14.13 लाख करोड़ और ₹ 11.75 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया गया है। ये दोनों उधारियां वर्ष 2023-24 के उधारों से कम रहेंगी। अब जबकि बड़े पैमाने पर निजी निवेश हो रहा है, केन्द्र सरकार द्वारा कम उधार लेने से निजी क्षेत्र के लिए और अधिक मात्रा में ऋण उपलब्ध होगा।

लेखानुदान

86. मैं वित्त वर्ष 2024-25 के एक भाग के लिए विनियोग विधेयक के माध्यम से 'लेखानुदान' हेतु संसद से अनुमोदन प्राप्त करना चाहूंगी।

अब, मैं भाग ख की ओर बढ़ती हूं।

भाग ख

माननीय अध्यक्ष महोदय,

प्रत्यक्ष कर

87. पिछले दस वर्षों में प्रत्यक्ष कर संग्रहण तीन गुणा से अधिक हो गया है और विवरणी दाखिल करने वालों की संख्या 2.4 गुणा हो गई है। मैं करदाताओं को आश्चस्त करना चाहूंगी कि उनके योगदान का देश के विकास और जनता के कल्याण के लिए विवेकपूर्ण उपयोग किया गया है। मैं करदाताओं के सहयोग के लिए उनकी सराहना करती हूँ।

88. सरकार ने कर दरों में कटौती की है और इन्हें विवेकपूर्ण बनाया है। नई कर योजना के तहत अब ₹ 7 लाख तक की आय वाले करदाताओं के लिए कोई कर देनदारी नहीं है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में ₹ 2.2 लाख तक की आय वाले करदाताओं के लिए कोई कर देनदारी नहीं थी। खुदरा व्यापार के लिए प्रीजम्प्टिव कराधान की सीमा ₹ 2 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 3 करोड़ की गई। इसी प्रकार प्रीजम्प्टिव कराधान के पात्र व्यवसायियों के लिए यह सीमा ₹ 50 लाख से बढ़ाकर ₹ 75 लाख की गई। साथ ही कारपोरेट कर की दर मौजूदा स्वदेशी कंपनियों के लिए 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत की गई और कुछ नई विनिर्माण कंपनियों के लिए यह दर 15 प्रतिशत की गई।

89. पिछले पांच वर्षों में करदाता सेवाओं में सुधार करने पर हमारा विशेष जोर रहा है। पहचान रहित निर्धारण और अपील की शुरुआत कर, क्षेत्राधिकार आधारित निर्धारण प्रणाली को बदल दिया गया जिससे कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। अद्यतन की हुई आयकर विवरणियां, नया फार्म 26एएस और पहले से भरी हुई कर विवरणियां शुरू किए जाने से कर विवरणियां दाखिल करने की प्रक्रिया अधिक सरल और आसान हो गई है। विवरणियों पर कार्रवाई में वर्ष 2013-14 में औसतन 93 दिन लगते थे जो कम होकर इस वर्ष केवल दस दिन रह गए हैं। इससे प्रतिदाय (रिफंड) जारी करने में तेजी आई है।

अप्रत्यक्ष कर

90. भारत में अत्यंत बटी हुई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को एकीकृत करके जीएसटी ने व्यापार और उद्योग पर अनुपालन के बोझ को कम कर दिया है। उद्योग जगत ने जीएसटी के लाभ को स्वीकारा है। एक अग्रणी परामर्शदाता फर्म द्वारा हाल ही में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 94 प्रतिशत उद्योग प्रमुख जीएसटी में हुए बदलाव को व्यापक रूप से सकारात्मक मानते हैं। सर्वेक्षण में प्रश्नों के उत्तर देने वाले 80 प्रतिशत प्रतिभागियों के अनुसार इससे आपूर्ति श्रृंखला ओप्टिमाइज हुई है क्योंकि टैक्स आर्बिटराज और ऑक्ट्रोइ के हटने के परिणामस्वरूप राज्यों और शहरों की सीमाओं से चैक पोस्ट हट गए हैं। साथ ही, जीएसटी का कर आधार बढ़कर दोगुने से अधिक हो गया है। इस वर्ष औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रहण बढ़कर लगभग दोगुना, यथा 1.66 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे राज्य भी लाभान्वित हुए हैं। राज्यों को जारी किए गए कंपेन्सेशन सहित राज्यों के एसजीएसटी राजस्व की बोयन्सी 2017-18 से 2022-23 तक जीएसटी के बाद वाली अवधि में 1.22 है। इसके विपरीत वर्ष 2012-13 से 2015-16 की जीएसटी से पूर्व की चार वर्षों की अवधि में विलय होने वाले राज्य राजस्व की टैक्स बोयन्सी केवल 0.72 थी। इसके सबसे बड़े लाभार्थी उपभोक्ता हैं क्योंकि संभार तंत्र संबंधी लागतों और करों में कमी के परिणामस्वरूप अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें कम हुई हैं।

91. हमने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए सीमा शुल्क में अनेक उपाय किए हैं, जिनके परिणामस्वरूप वर्ष 2019 में जब पहली बार नेशनल टाइम रिलीज अध्ययन शुरू हुए तब से चार वर्षों की अवधि में इनलैंड कंटेनर डिपो में आयात निर्गम समयावधि 47 प्रतिशत कम होकर 71 घंटे रह गई है, एयर कार्गो परिसरों में 28 प्रतिशत कम होकर 44 घंटे तथा बंदरगाहों में 27 प्रतिशत कम होकर 85 घंटे रह गई है।

कर प्रस्ताव

92. कर प्रस्तावों के संबंध में, परंपरा के अनुरूप, मैं कराधान के संबंध में किसी भी बदलाव का प्रस्ताव नहीं कर रही हूँ और प्रत्यक्ष कर तथा आयात शुल्कों सहित अप्रत्यक्ष करों के संबंध में कर दरें यथावत बनाए रखने का प्रस्ताव कर रही हूँ। तथापि स्टार्ट-अप और सावरेन संपदा या पेंशन फंड द्वारा किए गए निवेशों के लिए कुछ कर लाभ तथा कुछ आईएफएससी यूनितों की कतिपय आय पर कर छूट की समय सीमा 31.03.2024 को समाप्त हो रही है। कराधान में निरंतरता बनाए रखने के लिए मैं समय सीमा की इस तारीख को 31.03.2025 तक बढ़ाने का प्रस्ताव करती हूँ।

93. इसके अतिरिक्त, जीवन की सुगमता और व्यापारिक सुगमता में सुधार करने की सरकार की परिकल्पना के अनुरूप, मैं करदाता सेवाओं में सुधार हेतु एक घोषणा करना चाहती हूँ। बड़ी संख्या में कई छोटी-छोटी, गैर-सत्यापित, गैर-समायोजित या विवादित प्रत्यक्ष कर मांग बही खातों में लंबित हैं। इनमें से कई मांग तो वर्ष 1962 तक के भी पुराने समय

से मौजूद हैं। इनके कारण ईमानदार करदाताओं को परेशानी होती है तथा बाद के वर्षों में रिफंड जारी करने की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। मैं वित्तीय वर्ष 2009-10 तक की अवधि से संबंधित पच्चीस हजार रुपए (₹ 25,000) तक तथा वित्तीय वर्ष 2010-11 से वर्ष 2014-15 से संबंधित दस हजार रुपए (₹10,000) तक की ऐसी बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों को वापस लेने का प्रस्ताव करती हूं। इससे लगभग एक करोड़ करदाताओं के लाभान्वित होने की अपेक्षा है।

अर्थव्यवस्था - तब और अब

94. वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार ने बागडोर संभाली थी, चरण-दर-चरण अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने और शासन प्रणाली को सही रास्ते पर लाने की जिम्मेदारी बहुत बड़ी थी। समय की मांग थी कि लोगों को आशा की किरणें दिखें, निवेश आकर्षित किया जा सके और सुधार के लिए अत्यावश्यक समर्थन जुटाया जा सके। सरकार ने 'राष्ट्र प्रथम' के मजबूत विश्वास के साथ इसे सफलतापूर्वक हासिल किया।

95. उन वर्षों के संकटों से पार पा लिया गया है, और अर्थव्यवस्था सर्वांगीण विकास के साथ उच्च संधारणीय संवृद्धि पथ पर बढ़ चली है। अब यह देखना उपयुक्त होगा कि तब वर्ष 2014 तक हम कहाँ थे और अब कहाँ हैं, केवल इसलिए कि उन वर्षों के कुप्रबंधन से सबक सीखा जा सके। इस संदर्भ में, सरकार सदन के पटल पर एक श्वेत पत्र प्रस्तुत करेगी।

96. शासन, विकास और निष्पादन, प्रभावी प्रदायगी और 'जन कल्याण' के अनुकरणीय ट्रैक रिकॉर्ड ने सरकार को लोगों का भरोसा, विश्वास और आशीर्वाद दिलाया है, ताकि आने वाले वर्षों और दशकों में नेक इरादे, सच्ची लगन और भरपूर प्रयासों से 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल किया जा सके, चाहे इसके लिए जितना भी जतन करना पड़े।

97. इन शब्दों के साथ मैं इस गरिमामय सदन में अंतरिम बजट पेश करती हूं।

जय हिंद।

आशीष वच्छानी, अपर सचिव (बजट)

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs) (BUDGET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 2024

F. No. 2(3)-B(D)/2024.—The following is published for general information.—

Interim Budget 2024-2025 Speech of Nirmala Sitharaman Minister of Finance February 1, 2024

Hon'ble Speaker,

I present the Interim Budget for 2024-25.

Introduction

1. The Indian economy has witnessed profound positive transformation in the last ten years. The people of India are looking ahead to the future with hope and optimism.

2. With the blessings of the people, when our Government under the visionary and dynamic leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi assumed office in 2014, the country was facing enormous challenges. With 'Sabka Saath, Sabka Vikas' as its 'mantra', the Government overcame those challenges in right earnest. Structural reforms were undertaken. Pro-people programmes were formulated and implemented promptly. Conditions were created for more opportunities for employment and entrepreneurship. The economy got a new vigour. The fruits of development started reaching the people at scale. The country got a new sense of purpose and hope. Naturally, the people blessed the Government with a bigger mandate.

3. In the second term, our Government under the leadership of Hon'ble Prime Minister doubled down on its responsibilities to build a prosperous country with comprehensive development of all people and all regions. Our Government strengthened its 'mantra' to 'Sabka Saath, Sabka Vikas, and Sabka Vishwas'. Our development philosophy covered all elements of inclusivity, namely,

- social inclusivity through coverage of all strata of the society, and
- geographical inclusivity through development of all regions of the country.

4. With the 'whole of nation' approach of '*Sabka Prayas*', the country overcame the challenge of a once-in-a-century pandemic, took long strides towards '*Atmanirbhar Bharat*', committed to '*Panch Pran*', and laid solid foundations for the '*Amrit Kaal*'. As a result, our young country has high aspirations, pride in its present, and hope and confidence for a bright future. We expect that our Government, based on its stupendous work, will be blessed again by the people with a resounding mandate.

Inclusive Development and Growth

5. Our humane and inclusive approach to development is a marked and deliberate departure from the earlier approach of 'provisioning up-to-village level'. Development programmes, in the last ten years, have targeted each and every household and individual, through 'housing for all', '*har ghar jal*', electricity for all, cooking gas for all, bank accounts and financial services for all, in record time.

6. The worries about food have been eliminated through free ration for 80 crore people. Minimum support prices for the produce of '*Annadata*' are periodically increased appropriately. These and the provision of basic necessities have enhanced real income in the rural areas. Their economic needs could be addressed, thus spurring growth and generating jobs.

Social Justice

7. Our Government is working with an approach to development that is all-round, all-pervasive and all-inclusive (सर्वगीण, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी). It covers all castes and people at all levels. We are working to make India a '*Viksit Bharat*' by 2047. For achieving that goal, we need to improve people's capability and empower them.

8. Previously, social justice was mostly a political slogan. For our Government, social justice is an effective and necessary governance model. The saturation approach of covering all eligible people is the true and comprehensive achievement of social justice. This is secularism in action, reduces corruption, and prevents nepotism (भाई-भतीजावाद). There is transparency and assurance that benefits are delivered to all eligible people. The resources are distributed fairly. All, regardless of their social standing, get access to opportunities. We are addressing systemic inequalities that had plagued our society. We focus on outcomes and not on outlays so that the socio-economic transformation is achieved.

9. As our Prime Minister firmly believes, we need to focus on four major castes. They are, '*Garib*' (Poor), '*Mahilayen*' (Women), '*Yuva*' (Youth) and '*Annadata*' (Farmer). Their needs, their aspirations, and their welfare are our highest priority. The country progresses, when they progress. All four require and receive government support in their quest to better their lives. Their empowerment and well-being will drive the country forward.

Garib Kalyan, Desh ka Kalyan

10. We believe in empowering the poor. The earlier approach of tackling poverty through entitlements had resulted in very modest outcomes. When the poor become empowered partners in the development process, government's power to assist them also increases manifold. With the pursuit of '*Sabka ka Saath*' in these 10 years, the Government has assisted 25 crore people to get freedom from multi-dimensional poverty. Our Government's efforts are now getting synergized with energy and passion of such empowered people. This is truly elevating them from poverty.

11. 'Direct Benefit Transfer' of ₹ 34 lakh crore from the Government using PM-Jan Dhan accounts has led to savings of ₹ 2.7 lakh crore for the Government. This has been realized through avoidance of leakages prevalent earlier. The savings have helped in providing more funds for '*Garib Kalyan*'.

12. PM-SVANidhi has provided credit assistance to 78 lakh street vendors. From that total, 2.3 lakh have received credit for the third time.

13. PM-JANMAN Yojana reaches out to the particularly vulnerable tribal groups, who have remained outside the realm of development so far. PM-Vishwakarma Yojana provides end-to-end support to artisans and craftspeople engaged in 18 trades. The schemes for empowerment of Divyangs and Transgender persons reflect firm resolve of our Government to leave no one behind.

Welfare of Annadata

14. Farmers are our '*Annadata*'. Every year, under PM-KISAN SAMMAN Yojana, direct financial assistance is provided to 11.8 crore farmers, including marginal and small farmers. Crop insurance is given to 4 crore farmers under PM Fasal Bima Yojana. These, besides several other programmes, are assisting '*Annadata*' in producing food for the country and the world.

15. Electronic National Agriculture Market has integrated 1361 mandis, and is providing services to 1.8 crore farmers with trading volume of ` 3 lakh crore.

16. The sector is poised for inclusive, balanced, higher growth and productivity. These are facilitated from farmer-centric policies, income support, coverage of risks through price and insurance support, promotion of technologies and innovations through start-ups.

Empowering Amrit Peedhi, the Yuva

17. Our prosperity depends on adequately equipping and empowering the youth. The National Education Policy 2020 is ushering in transformational reforms. PM ScHools for Rising India (PM SHRI) are delivering quality teaching, and nurturing holistic and well-rounded individuals.

18. The Skill India Mission has trained 1.4 crore youth, upskilled and reskilled 54 lakh youth, and established 3000 new ITIs. A large number of new institutions of higher learning, namely 7 IITs, 16 IIITs, 7 IIMs, 15 AIIMS and 390 universities have been set up.

19. PM Mudra Yojana has sanctioned 43 crore loans aggregating to ₹ 22.5 lakh crore for entrepreneurial aspirations of our youth. Besides that, Fund of Funds, Start Up India, and Start Up Credit Guarantee schemes are assisting our youth. They are also becoming '*rozgardata*'.

20. The country is proud of our youth scaling new heights in sports. The highest ever medal tally in Asian Games and Asian Para Games in 2023 reflects a high confidence level. Chess prodigy and our Number-One ranked player Praggnanandhaa put up a stiff fight against the reigning World Champion Magnus Carlsen in 2023. Today, India has over 80 chess grandmasters compared to little over 20 in 2010.

Momentum for Nari Shakti

21. The empowerment of women through entrepreneurship, ease of living, and dignity for them has gained momentum in these ten years.

22. Thirty crore Mudra Yojana loans have been given to women entrepreneurs. Female enrolment in higher education has gone up by twenty-eight per cent in ten years. In STEM courses, girls and women constitute forty-three per cent of enrolment - one of the highest in the world. All these measures are getting reflected in the increasing participation of women in workforce.

23. Making 'Triple Talaq' illegal, reservation of one-third seats for women in the Lok Sabha and State legislative assemblies, and giving over seventy per cent houses under PM Awas Yojana in rural areas to women as sole or joint owners have enhanced their dignity.

Exemplary Track Record of Governance, Development and Performance (GDP)

24. Besides delivering on high growth in terms of Gross Domestic Product, the Government is equally focused on a more comprehensive '*GDP*', i.e., '*Governance, Development and Performance*'.

25. Our Government has provided transparent, accountable, people-centric and prompt trust-based administration with 'citizen-first' and 'minimum government, maximum governance' approach.

26. The impact of all-round development is discernible in all sectors. There is macro-economic stability, including in the external sector. Investments are robust. The economy is doing well.

27. People are living better and earning better, with even greater aspirations for the future. Average real income of the people has increased by fifty per cent. Inflation is moderate. People are getting empowered, equipped and enabled to pursue their aspirations. There is effective and timely delivery of programmes and of large projects.

Economic Management

28. The multipronged economic management over the past ten years has complemented people-centric inclusive development. Following are some of the major elements.

- (1) All forms of infrastructure, physical, digital or social, are being built in record time.
- (2) All parts of the country are becoming active participants in economic growth.
- (3) Digital Public Infrastructure, a new 'factor of production' in the 21st century, is instrumental in formalization of the economy.
- (4) Goods and Services Tax has enabled '*One Nation, One Market, One Tax*'. Tax reforms have led to deepening and widening of tax base.
- (5) Strengthening of the financial sector has helped in making savings, credit and investments more efficient.

- (6) GIFT IFSC and the unified regulatory authority, IFSCA are creating a robust gateway for global capital and financial services for the economy.
- (7) Proactive inflation management has helped keep inflation within the policy band.

Global Context

29. Geopolitically, global affairs are becoming more complex and challenging with wars and conflicts. Globalization is being redefined with reshoring and friend-shoring, disruption and fragmentation of supply chains, and competition for critical minerals and technologies. A new world order is emerging after the Covid pandemic.

30. India assumed G20 Presidency during very difficult times for the world. The global economy was going through high inflation, high interest rates, low growth, very high public debt, low trade growth, and climate challenges. The pandemic had led to a crisis of food, fertilizer, fuel and finances for the world, while India successfully navigated its way. The country showed the way forward and built consensus on solutions for those global problems.

31. The recently announced India-Middle East-Europe Economic Corridor is a strategic and economic game changer for India and others. In the words of Hon'ble Prime Minister, the corridor *"will become the basis of world trade for hundreds of years to come, and history will remember that this corridor was initiated on Indian soil"*.

Vision for 'Viksit Bharat'

32. Our vision for 'Viksit Bharat' is that of "Prosperous Bharat in harmony with nature, with modern infrastructure, and providing opportunities for all citizens and all regions to reach their potential".

33. With confidence arising from strong and exemplary track-record of performance and progress earning 'Sabka Vishwas', the next five years will be years of unprecedented development, and golden moments to realize the dream of developed India @ 2047. The trinity of demography, democracy and diversity backed by 'Sabka Prayas' has the potential to fulfill aspirations of every Indian.

34. As Hon'ble Prime Minister in his Independence Day address to the nation mentioned, *"There is no dearth of opportunities; as many opportunities as we want. The country is capable of creating more opportunities. Sky's the limit"*.

Strategy for 'Amrit Kaal'

35. Our Government will adopt economic policies that foster and sustain growth, facilitate inclusive and sustainable development, improve productivity, create opportunities for all, help them enhance their capabilities, and contribute to generation of resources to power investments and fulfil aspirations.

36. Guided by the principle 'Reform, Perform, and Transform', the Government will take up next generation reforms, and build consensus with the states and stakeholders for effective implementation.

37. It is an important policy priority for our Government to ensure timely and adequate finances, relevant technologies and appropriate training for the Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) to grow and also compete globally. Orienting the regulatory environment to facilitate their growth will be an important element of this policy mix.

38. Aligning with the 'Panchamrit' goals, our Government will facilitate sustaining high and more resource-efficient economic growth. This will work towards energy security in terms of availability, accessibility and affordability.

39. For meeting the investment needs our Government will prepare the financial sector in terms of size, capacity, skills and regulatory framework.

Aspirational Districts Programme

40. Our Government stands ready to assist the states in faster development of aspirational districts and blocks, including generation of ample economic opportunities.

Development of the East

41. Our Government will pay utmost attention to make the eastern region and its people a powerful driver of India's growth.

PM Awas Yojana (Grameen)

42. Despite the challenges due to COVID, implementation of PM Awas Yojana (Grameen) continued and we are close to achieving the target of three crore houses. Two crore more houses will be taken up in the next five years to meet the requirement arising from increase in the number of families.

Rooftop solarization and muft bijli

43. Through rooftop solarization, one crore households will be enabled to obtain up to 300 units free electricity every month. This scheme follows the resolve of Hon'ble Prime Minister on the historic day of consecration of Ram Mandir in Ayodhya. Following benefits are expected.

- a. Savings up to fifteen to eighteen thousand rupees annually for households from free solar electricity and selling the surplus to the distribution companies;
- b. Charging of electric vehicles;
- c. Entrepreneurship opportunities for a large number of vendors for supply and installation;
- d. Employment opportunities for the youth with technical skills in manufacturing, installation and maintenance;

Housing for middle class

44. Our Government will launch a scheme to help deserving sections of the middle class “living in rented houses, or slums, or chawls and unauthorized colonies” to buy or build their own houses.

Medical Colleges

45. Several youth are ambitious to get qualified as doctors. They aim to serve our people through improved healthcare services. Our Government plans to set up more medical colleges by utilizing the existing hospital infrastructure under various departments. A committee for this purpose will be set-up to examine the issues and make relevant recommendations.

Cervical Cancer Vaccination

46. Our Government will encourage vaccination for girls in age group of 9 to 14 years for prevention of cervical cancer.

Maternal and child health care

47. Various schemes for maternal and child care will be brought under one comprehensive programme for synergy in implementation. Upgradation of anganwadi centres under “Saksham Anganwadi and Poshan 2.0” will be expedited for improved nutrition delivery, early childhood care and development.

48. The newly designed U-WIN platform for managing immunization and intensified efforts of Mission Indradhanush will be rolled out expeditiously throughout the country.

Ayushman Bharat

49. Healthcare cover under Ayushman Bharat scheme will be extended to all ASHA workers, Anganwadi Workers and Helpers.

Agriculture and food processing

50. The efforts for value addition in agricultural sector and boosting farmers' income will be stepped up. Pradhan Mantri Kisan Sampada Yojana has benefitted 38 lakh farmers and generated 10 lakh employment. Pradhan Mantri Formalisation of Micro Food Processing Enterprises Yojana has assisted 2.4 lakh SHGs and sixty thousand individuals with credit linkages. Other schemes are complementing the efforts for reducing post-harvest losses, and improving productivity and incomes.

51. For ensuring faster growth of the sector, our Government will further promote private and public investment in post-harvest activities including aggregation, modern storage, efficient supply chains, primary and secondary processing and marketing and branding.

Nano DAP

52. After the successful adoption of Nano Urea, application of Nano DAP on various crops will be expanded in all agro-climatic zones.

Atmanirbhar Oil Seeds Abhiyan

53. Building on the initiative announced in 2022, a strategy will be formulated to achieve ‘atmanirbharta’ for oil seeds such as mustard, groundnut, sesame, soybean, and sunflower. This will cover research for high-yielding varieties, widespread adoption of modern farming techniques, market linkages, procurement, value addition, and crop insurance.

Dairy Development

54. A comprehensive programme for supporting dairy farmers will be formulated. Efforts are already on to control foot and mouth disease. India is the world's largest milk producer but with low productivity of milch-animals. The programme will be built on the success of existing schemes such as Rashtriya Gokul Mission, National Livestock Mission, and Infrastructure Development Funds for dairy processing and animal husbandry.

Matsya Sampada

55. It was our Government which set up a separate Department for Fisheries realizing the importance of assisting fishermen. This has resulted in doubling of both inland and aquaculture production. Seafood export since 2013-14 has also doubled. Implementation of Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana (PMMSY) will be stepped up to:

- (1) enhance aquaculture productivity from existing 3 to 5 tons per hectare,
- (2) double exports to ₹ 1 lakh crore and
- (3) generate 55 lakh employment opportunities in near future.

Five integrated aquaparks will be setup.

Lakshpati Didi

56. Eighty-three lakh SHGs with nine crore women are transforming rural socio-economic landscape with empowerment and self-reliance. Their success has assisted nearly one crore women to become Lakshpati Didi already. They are an inspiration to others. Their achievements will be recognized through honouring them. Buoyed by the success, it has been decided to enhance the target for Lakshpati Didi from 2 crore to 3 crore.

Technological Changes

57. New age technologies and data are changing the lives of people and businesses. They are also enabling new economic opportunities and facilitating provision of high-quality services at affordable prices for all, including those at 'bottom of the pyramid'. Opportunities for India at the global level are expanding. India is showing solutions through innovation and entrepreneurship of its people.

Research and Innovation for catalyzing growth, employment and development

58. Prime Minister Shastri gave the slogan of "*Jai Jawan Jai Kisan*". Prime Minister Vajpayee made that "*Jai Jawan Jai Kisan Jai Vigyan*". Prime Minister Modi has furthered that to "*Jai Jawan Jai Kisan Jai Vigyan and Jai Anusandhan*", as innovation is the foundation of development.

59. For our tech savvy youth, this will be a golden era. A corpus of rupees one lakh crore will be established with fifty-year interest free loan. The corpus will provide long-term financing or refinancing with long tenors and low or nil interest rates. This will encourage the private sector to scale up research and innovation significantly in sunrise domains. We need to have programmes that combine the powers of our youth and technology.

60. A new scheme will be launched for strengthening deep-tech technologies for defence purposes and expediting '*atmanirbharta*'.

Infrastructure Development

61. Building on the massive tripling of the capital expenditure outlay in the past 4 years resulting in huge multiplier impact on economic growth and employment creation, the outlay for the next year is being increased by 11.1 per cent to eleven lakh, eleven thousand, one hundred and eleven crore rupees (₹ 11,11,111 crore). This would be 3.4 per cent of the GDP.

Railways

62. Three major economic railway corridor programmes will be implemented. These are:

- (1) energy, mineral and cement corridors,
- (2) port connectivity corridors, and
- (3) high traffic density corridors.

The projects have been identified under the PM Gati Shakti for enabling multi-modal connectivity. They will improve logistics efficiency and reduce cost.

63. The resultant decongestion of the high-traffic corridors will also help in improving operations of passenger trains, resulting in safety and higher travel speed for passengers. Together with dedicated freight corridors, these three economic corridor programmes will accelerate our GDP growth and reduce logistic costs.

64. Forty thousand normal rail bogies will be converted to the Vande Bharat standards to enhance safety, convenience and comfort of passengers.

Aviation Sector

65. The aviation sector has been galvanized in the past ten years. Number of airports have doubled to 149. Roll out of air connectivity to tier-two and tier-three cities under UDAN scheme has been widespread. Five hundred and seventeen new routes are carrying 1.3 crore passengers. Indian carriers have pro-actively placed orders for over 1000 new aircrafts. Expansion of existing airports and development of new airports will continue expeditiously.

Metro and NaMo Bharat

66. We have a fast-expanding middle class and rapid urbanization is taking place. Metro Rail and NaMo Bharat can be the catalyst for the required urban transformation. Expansion of these systems will be supported in large cities focusing on transit-oriented development.

Green Energy

67. Towards meeting our commitment for 'net-zero' by 2070, the following measures will be taken.
- Viability gap funding will be provided for harnessing offshore wind energy potential for initial capacity of one giga-watt.
 - Coal gasification and liquefaction capacity of 100 MT will be set up by 2030. This will also help in reducing imports of natural gas, methanol, and ammonia.
 - Phased mandatory blending of compressed biogas (CBG) in compressed natural gas (CNG) for transport and piped natural gas (PNG) for domestic purposes will be mandated.
 - Financial assistance will be provided for procurement of biomass aggregation machinery to support collection.

Electric Vehicle Ecosystem

68. Our Government will expand and strengthen the e-vehicle ecosystem by supporting manufacturing and charging infrastructure. Greater adoption of e-buses for public transport networks will be encouraged through payment security mechanism.

Bio-manufacturing and Bio-foundry

69. For promoting green growth, a new scheme of bio-manufacturing and bio-foundry will be launched. This will provide environment friendly alternatives such as biodegradable polymers, bio-plastics, bio-pharmaceuticals and bio-agri-inputs. This scheme will also help in transforming today's consumptive manufacturing paradigm to the one based on regenerative principles.

Blue Economy 2.0

70. For promoting climate resilient activities for blue economy 2.0, a scheme for restoration and adaptation measures, and coastal aquaculture and mariculture with integrated and multi-sectoral approach will be launched.

Comprehensive development of tourist centres

71. The success of organizing G20 meetings in sixty places presented diversity of India to global audience. Our economic strength has made the country an attractive destination for business and conference tourism. Our middle class also now aspires to travel and explore. Tourism, including spiritual tourism, has tremendous opportunities for local entrepreneurship.

72. States will be encouraged to take up comprehensive development of iconic tourist centres, branding and marketing them at global scale. A framework for rating of the centres based on quality of facilities and services will be established. Long-term interest free loans will be provided to States for financing such development on matching basis.

73. To address the emerging fervour for domestic tourism, projects for port connectivity, tourism infrastructure, and amenities will be taken up on our islands, including Lakshadweep. This will help in generating employment also.

Promoting Investments

74. The FDI inflow during 2014-23 was USD 596 billion marking a golden era. That is twice the inflow during 2005-14. For encouraging sustained foreign investment, we are negotiating bilateral investment treaties with our foreign partners, in the spirit of 'first develop India'.

Reforms in the States for 'Viksit Bharat'

75. Many growth and development enabling reforms are needed in the states for realizing the vision of 'Viksit Bharat'. A provision of seventy-five thousand crore rupees as fifty-year interest free loan is proposed this year to support those milestone-linked reforms by the State Governments.

Societal Changes

76. The Government will form a high-powered committee for an extensive consideration of the challenges arising from fast population growth and demographic changes. The committee will be mandated to make recommendations for addressing these challenges comprehensively in relation to the goal of 'Viksit Bharat'.

Amrit Kaal as Kartavya Kaal

77. Our Government stands committed to strengthening and expanding the economy with high growth and to create conditions for people to realize their aspirations. Hon'ble Prime Minister in his Independence Day address to the nation, in the 75th year of our Republic said; we "*commit ourselves to national development, with new inspirations, new consciousness, new resolutions, as the country opens up immense possibilities and opportunities*". It is our 'Kartavya Kaal'.

78. Every challenge of the pre-2014 era was overcome through our economic management and our governance. These have placed the country on a resolute path of sustained high growth. This has been possible through our right policies, true intentions, and appropriate decisions. In the full budget in July, our Government will present a detailed roadmap for our pursuit of 'Viksit Bharat'.

Revised Estimates 2023-24

79. The Revised Estimate of the total receipts other than borrowings is ₹ 27.56 lakh crore, of which the tax receipts are ₹ 23.24 lakh crore. The Revised Estimate of the total expenditure is ₹ 44.90 lakh crore.

80. The revenue receipts at ₹ 30.03 lakh crore are expected to be higher than the Budget Estimate, reflecting strong growth momentum and formalization in the economy.

81. The Revised Estimate of the fiscal deficit is 5.8 per cent of GDP, improving on the Budget Estimate, notwithstanding moderation in the nominal growth estimates.

Budget Estimates 2024-25

82. Coming to 2024-25, the total receipts other than borrowings and the total expenditure are estimated at ₹ 30.80 and 47.66 lakh crore respectively. The tax receipts are estimated at ₹ 26.02 lakh crore.

83. The scheme of fifty-year interest free loan for capital expenditure to states will be continued this year with total outlay of ₹ 1.3 lakh crore.

84. We continue on the path of fiscal consolidation, as announced in my Budget Speech for 2021-22, to reduce fiscal deficit below 4.5 per cent by 2025-26. The fiscal deficit in 2024-25 is estimated to be 5.1 per cent of GDP, adhering to that path.

85. The gross and net market borrowings through dated securities during 2024-25 are estimated at ₹ 14.13 and ₹ 11.75 lakh crore respectively. Both will be less than that in 2023-24. Now that the private investments are happening at scale, the lower borrowings by the Central Government will facilitate larger availability of credit for the private sector.

Vote on Account

86. I will be seeking 'vote on account' approval of the Parliament through the Appropriation Bill for a part of the financial year 2024-25.

I will, now, move to Part B.

Part B

Hon'ble Speaker Sir,

Direct taxes

87. Over the last ten years, the direct tax collections have more than trebled and the return filers swelled to 2.4 times. I would like to assure the taxpayers that their contributions have been used wisely for the development of the country and welfare of its people. I appreciate the tax payers for their support.

88. The Government has reduced and rationalized tax rates. Under the new tax scheme, there is now no tax liability for tax payers with income up to ₹ 7 lakh, up from ₹ 2.2 lakh in the financial year 2013-14. The threshold for presumptive taxation for retail businesses was increased from ₹ 2 crore to ₹ 3 crore. Similarly, the threshold for professionals eligible for presumptive taxation was increased from ₹ 50 lakh to ₹ 75 Lakh. Also, corporate tax rate was decreased from 30 per cent to 22 per cent for existing domestic companies and to 15 per cent for certain new manufacturing companies.

89. In the last five years, our focus has been to improve tax-payer services. The age-old jurisdiction-based assessment system was transformed with the introduction of Faceless Assessment and Appeal, thereby imparting greater efficiency, transparency and accountability. Introduction of updated income tax returns, a new Form 26AS and

prefiling of tax returns have made filing of tax returns simpler and easier. Average processing time of returns has been reduced from 93 days in the year 2013-14 to a mere ten days this year, thereby making refunds faster.

Indirect Taxes

90. By unifying the highly fragmented indirect tax regime in India, GST has reduced the compliance burden on trade and industry. The industry has acknowledged the benefits of GST. According to a recent survey conducted by a leading consulting firm, 94 per cent of industry leaders view the transition to GST as largely positive. According to 80 per cent of the respondents, it has led to supply chain optimisation, as elimination of tax arbitrage and octroi has resulted in disbanding of check posts at state and city boundaries. At the same time, tax base of GST more than doubled and the average monthly gross GST collection has almost doubled to ₹ 1.66 lakh crore, this year. States too have benefited. States' SGST revenue, including compensation released to states, in the post-GST period of 2017-18 to 2022-23, has achieved a buoyancy of 1.22. In contrast, the tax buoyancy of State revenues from subsumed taxes in the pre-GST four-year period of 2012-13 to 2015-16 was a mere 0.72. The biggest beneficiaries are the consumers, as reduction in logistics costs and taxes have brought down prices of most goods and services.

91. We have taken a number of steps in Customs to facilitate international trade. As a result, the import release time declined by 47 per cent to 71 hours at Inland Container Depots, by 28 per cent to 44 hours at air cargo complexes and by 27 per cent to 85 hours at sea ports, over the last four years since 2019, when the National Time Release Studies were first started.

Tax proposals

92. As for tax proposals, in keeping with the convention, I do not propose to make any changes relating to taxation and propose to retain the same tax rates for direct taxes and indirect taxes including import duties. However, certain tax benefits to start-ups and investments made by sovereign wealth or pension funds as also tax exemption on certain income of some IFSC units are expiring on 31.03.2024. To provide continuity in taxation, I propose to extend the date to 31.03.2025.

93. Moreover, in line with our Government's vision to improve ease of living and ease of doing business, I wish to make an announcement to improve tax payer services. There are a large number of petty, non-verified, non-reconciled or disputed direct tax demands, many of them dating as far back as the year 1962, which continue to remain on the books, causing anxiety to honest tax payers and hindering refunds of subsequent years. I propose to withdraw such outstanding direct tax demands up to twenty-five thousand rupees (₹ 25,000) pertaining to the period up to financial year 2009-10 and up to ten-thousand rupees (₹ 10,000) for financial years 2010-11 to 2014-15. This is expected to benefit about a crore tax-payers.

Economy – Then and Now

94. In 2014 when our Government assumed the reins, the responsibility to mend the economy step by step and to put the governance systems in order was enormous. The need of the hour was to give hope to the people, to attract investments, and to build support for the much-needed reforms. The Government did that successfully following our strong belief of 'nation-first'.

95. The crisis of those years has been overcome, and the economy has been put firmly on a high sustainable growth path with all-round development. It is now appropriate to look at where we were then till 2014 and where we are now, only for the purpose of drawing lessons from the mismanagement of those years. The Government will lay a White Paper on table of the House.

96. The exemplary track record of governance, development and performance, effective delivery, and 'Jan Kalyan' has given the Government trust, confidence and blessings of the people to realize, whatever it takes, the goal of 'Viksit Bharat' with good intentions, true dedication and hard work in the coming years and decades.

97. With this, I commend the interim budget to this august House.

Jai Hind.

ASHISH VACHHANI, Addl. Secy. (Budget)